एसयूपी क्या है?

'सिंगल यूज प्लास्टिक' (एसयूपी) केवल एक बार उपयोग के बाद नष्ट करने के लिए डिजाइन किया गया

खतरा!

20 से 500 वर्षों के बीच कहीं भी विघटित हो जाता है।

31 दिसंबर 2022 से, 120 माइक्रोन में प्लास्टिक कैरी बैग की अनुमत मोटाई वहां पुनर्चक्रण क्षमता बढ़ाने के लिए है।

और कई वस्तुएं जुलाई 2022 से प्रतिबंधित हैं, जैसे प्लास्टिक की छड़ें वाले ईयरबड, गुब्बारे, प्लास्टिक के झंडे, कैंडी की छड़ें, आइसक्रीम की छड़ें, सजावट के लिए पॉलीस्टीरिन ख्थर्माकोल,, प्लेट, कप, ग्लास कटलरी जैसे कांटे, चम्मच, चाकू, पुआल, ट्रे, मिठाई के बक्से, निमंत्रण कार्ड और सिगरेट के पैकेट, प्लास्टिक या पीवीसी बैनर 100 माइक्रोन से कम, स्टिरर के चारों ओर लपेटने या पैकिंग भरने वाले ।

सिंगल यूज प्लास्टिक को मना करें।
एक स्थायी विकल्प चुनें।

SWECHHA

Implemented by giz Deutsche Gesellschaft für Internationale Zusammenarbeit (GIZ) GmbH

On behalf of: Federal Ministry for the Environment, Nature Conservation and Nuclear Safety of the Federal Republic of Germany

Ministry of Environment, Forest and Climate Change

Government of Uttar Pradesh

समुद्र में प्लास्टिक

समुद्री कचरा

कोई भी लगातार, निर्मित या संसाधित ठोस सामग्री को समुद्री और कॉस्टल पर्यावरण में, त्याग दिया, निपटाया या छोड़ दिया जाता है। (यूएनईपी)

70% समुद्री कचरा समुद्र तल तक पहुँच जाता है या दो मिनट के छोटे टुकड़ों में टूट जाता है।

और, 80% समुद्री कूड़ा अवैध डंपिंग औरध्या अपर्याप्त अपशिष्ट प्रबंधन प्रणालियों के कारण भूमि से आता है।

समुद्री जीवों द्वारा खाया जाने वाला प्लास्टिक भी हमारी मानव खाद्य श्रृंखला में प्रवेश करता है, जिससे हमारा स्वास्थ्य प्रभावित होता है।

हर साल 14 मिलियन टन प्लास्टिक समुद्र में समा जाता है और प्लास्टिक समुद्री मलबे का 80% हिस्सा बनाते हैं। (आईयूसीएन)

हवा, नदियाँ या सीवेज आंतरिक मलबे को महासागरों में स्थानांतरित करते हैं।

समुद्री कूड़े के कारण, मलबे में फंसने या मछली पकड़ने के जाल में फंसने या प्लास्टिक या अन्य मलबे के अंतर्ग्रहण से हर साल 1,000,000 समुद्री पक्षी और 100,000 समुद्री स्तनधारी मर जाते हैं।

SWECHHA

Implemented by
giz Deutsche Gesellschaft für Internationale Zusammenarbeit (GIZ) GmbH

On behalf of:
Federal Ministry for the Environment, Nature Conservation and Nuclear Safety
of the Federal Republic of Germany

Ministry of Environment, Forest and Climate Change

Government of Uttar Pradesh

माइक्रोप्लास्टिक

माइक्रोप्लास्टिक छोटे प्लास्टिक के टुकड़े होते हैं जिनका व्यास 5 मिलीमीटर से कम होता है, जो हमारे अंधाधुंध उपयोग और प्लास्टिक कूड़े को असुरक्षित तरीके से नष्ट करने से उत्पन्न होते हैं।

माइक्रोप्लास्टिक हानिकारक क्यों है?

- माइक्रोप्लास्टिक या तो समुद्र तल में डूब जाता है, या सतह पर तैरता है, समुद्री जीवों के लिए आसानी से प्राप्त होने वाला ये भोजन गलत माना जाता है, ये भोजन समुद्री जीवों के लिए हानिकारक है और बाद में मानव खाद्य श्रृंखला में प्रवेश करने पर मानव स्वास्थ्य के लिए हानिकारक हो सकता है।
- आजकल नमक, फल, सब्जियां और यहां तक कि पैकेज्ड पेयजल में भी माइक्रोप्लास्टिक कण पाए गए हैं।
- माइक्रोप्लास्टिक एक्सपोजर साँस लेना और त्वचीय (त्वचा) संपर्क के माध्यम से भी होता है।

मानव स्वास्थ्य पर माइक्रोप्लास्टिक का प्रभाव

- माइक्रोप्लास्टिक में पाए जाने वाले रसायन मोटापे तथा प्रजनन स्वास्थ्य को नुकसान पहुंचाते हे और यहां तक कि बच्चों के विकास में देरी जैसी समस्या को जन्म देते हैं।
- यह समय के साथ मानव शरीर में जमा हो जाता है, जिससे शरीर और रक्तप्रवाह में रासायनिक विषाक्तता जैसे खतरनाक प्रभाव पड़ते है।

क्या करें?

- रोकथाम
- पुनः उपयोग के लिए तैयारी
- पुनर्चक्रण
- स्वास्थ्य लाभ
- नष्ट करना

SWECHHA

Implemented by giz Deutsche Gesellschaft für Internationale Zusammenarbeit (GIZ) GmbH

On behalf of: Federal Ministry for the Environment, Nature Conservation and Nuclear Safety of the Federal Republic of Germany

Ministry of Environment, Forest and Climate Change

Government of Uttar Pradesh

एक्सटेंडेड प्रोड्यूसर रिस्पॉन्सिबिलिटी (ईपीआर) क्या है?

यह उत्पादकों का दायित्व है कि वे अपने उत्पादों का पर्यावरण को ध्यान में रखते हुए उसके उपयोग के बाद जिम्मेदारी से उसका व्यवस्थापन सुनिश्चित करे, प्रसंस्करण और व्यवस्थापन की रणनीति का खाका तैयार करे और उत्पाद के पूरे जीवन चक्र में संभावित नकारात्मक पर्यावरणीय प्रभाव को कम करने के लिए पर्यावरण डिजाइन को बढ़ावा दे।

अच्छी शुरुआत, अच्छा अंत,
अच्छा निर्माता, अच्छा उत्पाद, अच्छा उपभोक्ता!

= GOOD (Responsible) PRODUCER, GOOD (Sustainable) PRODUCT, INFORMED (Responsible) CONSUMER

SWECHHA

Implemented by giz Deutsche Gesellschaft für Internationale Zusammenarbeit (GIZ) GmbH

On behalf of: Federal Ministry for the Environment, Nature Conservation and Nuclear Safety of the Federal Republic of Germany

Ministry of Environment, Forest and Climate Change

Government of Uttar Pradesh

वेस्टेड!

अकेले भारत में प्रतिदिन लगभग 1.5 लाख टन कचरा उत्पन्न होता है। भारत सहित अधिकांश विकसित देशों में, अधिकांश अपशिष्ट संग्रह और इसका प्रबंधन अनौपचारिक क्षेत्र द्वारा किया जाता है।

स्रोतः सीपीसीबी

वर्तमान में, भारत में 40 लाख से अधिक कचरा बीनने वाले हैं।
जब कचरे का गलत तरीके से प्रबंधन किया जाता है तो इनको बढ़ावा मिलता हैः
हवा, पानी और मिट्टी का दूषित होना

श्वसन संबंधी समस्याएं, त्वचा की समस्याएं और यहां तक कि
शिशुओं के विकास में देरी जैसे रोग

क्षय रोग, टिटनेस, काली खांसी, टाइफाइड, हैजा, एचआईवी
और हेपेटाइटिस जैसे संक्रामक वायु जनित और जल जनित रोगों का प्रसार।

अनौपचारिक क्षेत्र (कचरा बीनने वाले, कबड्डी वाले, कबाड़ के सौदागर)
हमें अपने कचरे के प्रबंधन में मदद करते हैं और औपचारिक क्षेत्र या कचरा प्रबंधन को पूरा करते हैं।

इसे करें:

- नष्ट करने से पहले अपने कचरे को ठीक से अलग करें।
- सूखे और गीले रसोई के कचरे के लिए अलग–अलग डिब्बे रखें – कुछ सूखे कचरे को रिसाइकिल किया जा सकता है और अधिकांश गीले कचरे से खाद बनाई जा सकती है।
- सैनिटरी कचरे को अलग से फेंक दें और यदि संभव हो तो आसान पहचान के लिए बैग पर निशान लगा दें।

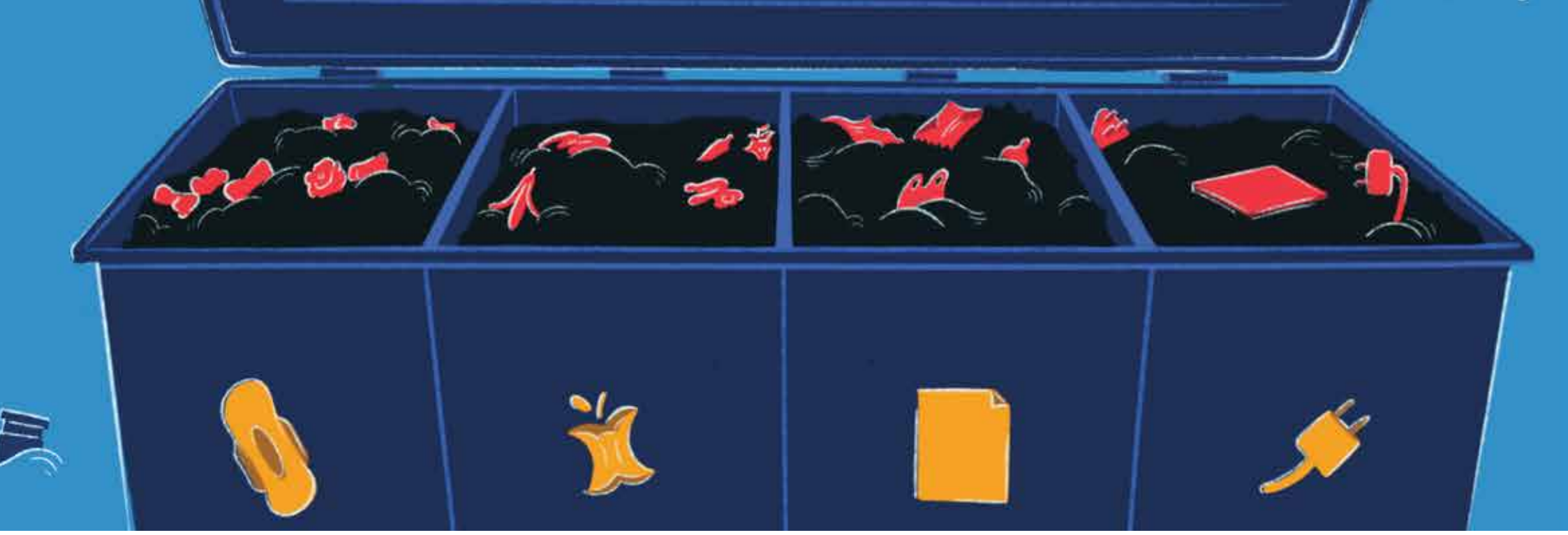

SWECHHA

Implemented by
giz Deutsche Gesellschaft für Internationale Zusammenarbeit (GIZ) GmbH

On behalf of:
Federal Ministry for the Environment, Nature Conservation and Nuclear Safety
of the Federal Republic of Germany

Ministry of Environment, Forest and Climate Change

Government of Uttar Pradesh

कारण और प्रभाव

आप हर हफ्ते कितना प्लास्टिक खा रहे हैं?

एक शोध अध्ययन में अजन्मे बच्चों के प्लेसेंटा में माइक्रोप्लास्टिक पाया गया है!

स्रोतः एनवायरमेंट इंटरनेशनल

पहली बार मानव प्लेसेंटा में माइक्रोप्लास्टिक्स की उपस्थिति का पता प्लेसेंटा के सभी भागों में पाया गया – मातृ, भ्रूण और एमनियोकोरियल झिल्ली आदि ।

"यह एक साइबोर्ग बेबी होने जैसा है!"

SWECHHA

Implemented by giz Deutsche Gesellschaft für Internationale Zusammenarbeit (GIZ) GmbH

On behalf of: Federal Ministry for the Environment, Nature Conservation and Nuclear Safety of the Federal Republic of Germany

Ministry of Environment, Forest and Climate Change

Government of Uttar Pradesh

क्या आप जानते हैं?

विश्व स्तर पर हर साल 300 मिलियन टन प्लास्टि क कचरा पैदा होता है।

यह लगभग पूरी मानव आबादी के वजन के बराबर है!

OF THE TOTAL PLASTIC WASTE EVER PRODUCED,

केवल 9% का ही पुनर्चक्रण किया गया है।

शेष 79% डंप, लैंडफिल, हमारे जलमार्ग और महासागरों में समाप्त हो गया है।

लगभग 12% को जलाया गया है।

विश्व के महासागरों में प्रतिवर्ष 80 लाख टन प्लास्टिक समाप्त हो जाता है।

अगर मौजूदा रुझान जारी रहता है, तो हमारे महासागरों में 2050 तक मछलियों से ज्यादा प्लास्टिक हो सकता है।

स्रोतः एलेन मैकआर्थर फाउंडेशन

SWECHHA

Implemented by giz Deutsche Gesellschaft für Internationale Zusammenarbeit (GIZ) GmbH

On behalf of: Federal Ministry for the Environment, Nature Conservation and Nuclear Safety of the Federal Republic of Germany

Ministry of Environment, Forest and Climate Change

Government of Uttar Pradesh

एसयूपी का विकल्प

छोड़ दे

सिंगल यूज प्लास्टिक बैग

डिब्बाबंद पेयजल

प्लास्टिक की बोतलें जब सीधे धूप जैसी स्थितियों के संपर्क में आती हैं या अगर यह लंबे समय तक उपयोग में रहती है तो हानिकारक रसायनों को पानी में छोड़ती हैं ।

सिंगल यूज प्लास्टिक स्ट्रॉ

प्लास्टिक के स्ट्रॉ समुद्री जीवन के लिए बहुत बड़ा खतरा हैं।

चाय की थैलियां

टी बैग्स में उच्च मात्रा में माइक्रोप्लास्टिक होता है। आप अपनी पसंदीदा चाय के हर कप के साथ इस माइक्रोप्लास्टिक को निगलते हैं, और इसे फेकने पर, ये लैंडफिल या जलमार्ग में समाप्त हो जाते हैं, और अंत में, हमारे महासागरों से यह खाद्य श्रृंखला में प्रवेश करते है।

प्लास्टिक की बोतलों में पैक किया गया शैम्पू और कंडीशनर

प्लास्टिक पैकेजिंग के अलावा, लगभग सभी शैंपू में सल्फेट होते हैं, जो आपके और पर्यावरण दोनों के लिए हानिकारक होते हैं।

इसके बजाय, चुनें

पुनः उपयोग करने वाले कपड़े के बैग

कपड़े के बैग बायोडिग्रेडेबल, पर्यावरण के अनुकूल और एक स्थायी विकल्प हैं। साथ ही कचरा कम होता है, अधिक टिकाऊ और किफायती होती है ।

अपनी खुद की पुनः भरने योग्य पानी की बोतल साथ रखें

पुनः उपयोग करने वाली बोतल – खाद्य–ग्रेड प्लास्टिक / स्टेनलेस–स्टील / तांबे से बनी बोतलें आदि

पुनः उपयोग करने वाली सिलिकॉन या स्टेनलेस–स्टील के स्ट्रॉ गेहूं पास्ता स्ट्रॉ से बने खाद्य स्ट्रॉ

पुनः उपयोग करने वाले बायोडिग्रेडेबल, और खाद्य स्ट्रॉ इन नकारात्मक प्रभावों को खत्म करते हैं। साथ ही कम कचरा, अधिक टिकाऊ और किफायती होते है।

चाय की पत्तियां

चाय की पत्तियों के सेवन से ये सभी नकारात्मक प्रभाव समाप्त हो जाते हैं। उपयोग करने के बाद , चाय की पत्तियों को खाद बनाई जा सकती है, औरध्या आपके घर के पौधों में डाला जा सकता है ताकि उन्हें अतिरिक्त पोषण प्रदान किया जा सके।

प्राकृतिक शैम्पू जैसे सोपनट पैकेजिंग–मुक्त शैम्पू और कंडीशनर बार

प्राकृतिक, सल्फेट मुक्त विकल्पों का चुनाव करना आपके बालों और इस प्रकार आपके स्वास्थ्य की रक्षा करता है। एक बोनस के रूप में, आप पर्यावरण की बेहतरी के लिए सकारात्मक योगदान भी देते हैं।

SWECHHA

Implemented by giz Deutsche Gesellschaft für Internationale Zusammenarbeit (GIZ) GmbH

On behalf of: Federal Ministry for the Environment, Nature Conservation and Nuclear Safety of the Federal Republic of Germany

Ministry of Environment, Forest and Climate Change

Government of Uttar Pradesh

प्लास्टिक को बदलें
उन्होंने इसे उपयोग किया

THOOSHAN

कोच्चि, केरल

https://thooshan.com/

यूएसपीः

- गेहूं की भूसी से बनी खाद्य कटलरी।
- प्राकृतिक रूप से एंटी–माइक्रोबियल कच्चे मालद्य से निर्मित।
- सिंगल यूज प्लास्टिक के लिए रिप्लेसमेंट। उत्पाद 100% बायोडिग्रेडेबल हैं।

बेचे गए उत्पादः गेहूं की भूसी की प्लेटें, सुपारी की ताड़ की प्लेटें, गेहूं की भूसी का चम्मच, गेहूं की भूसी का कांटा, खाद्य–बायोडिग्रेडेबल स्ट्रॉ।

INDULGE. DISCOVER.
KOCOATRAIT

चेन्नई, तमिलनाडु

https://cocoatrait.com/

यूएसपीः

- भारत की पहली सस्टेनेबल लग्जरी चॉकलेट।
- बीन–टू–बार अप्रोच – सिंगल–ऑरिजिनल, ऑर्गेनिक और प्लैनेट–फ्रेंडली चॉकलेट बार।
- बार पुनः उपयोग योग्य , अपसाइक्लिंग कॉटन रैप्स और कोको बीन शेल्स में पैक किए जाते हैं।
- पैकेजिंग में कोई लेमिनेशन नहीं है और यह 100% रिसाइकिल करने योग्य है।

देश में विभिन्न पहलों में से कुछ पहल ये हैं की दैनिक जीवन में उपयोग आने वाली वस्तुओं के विकल्प प्रस्तुत किये जा रहे हैं। हम प्लास्टिक की रोकथाम पर जागरूकता पैदा करने पर ध्यान केंद्रित करते हैं और किसी भी कंपनी का समर्थन नहीं करते।

SWECHHA
Implemented by giz Deutsche Gesellschaft für Internationale Zusammenarbeit (GIZ) GmbH
On behalf of: Federal Ministry for the Environment, Nature Conservation and Nuclear Safety of the Federal Republic of Germany
Ministry of Environment, Forest and Climate Change
Government of Uttar Pradesh

प्लास्टिक को बदलें
उन्होंने इसे उपयोग किया

BARE necessities

बेंगलुरु, कर्नाटक

https://barenecessities.in/

यूएसपीः

- रोजमर्रा के उपयोग की वस्तुओं के लिए कचरा मुक्त समाधान।
- सभी वस्तुओं को टिकाऊ सामग्री में पैक किया जाता है जैसे पुनः प्रयोज्य कांच की बोतलें और कागज की पैकेजिंग।

बेचे गए उत्पादः प्राकृतिक लूफैण, बांस टूथब्रश, प्राकृतिक टूथपेस्ट, पुनः प्रयोज्य मेकअप रिमूवर वाइप्स, प्राकृतिक शैम्पू बार, और मासिक धर्म कप जैसे व्यक्तिगत देखभाल आइटम।

ECOSYS

मुंबई, महाराष्ट्र

https://ecosyscleaners.com/

यूएसपीः

- घरेलू क्लीनर, कीटाणुनाशक और एयर फ्रेशनर के लिए पैकेजिंग–मुक्त विकल्प।
- सभी उत्पाद रिफिल के रूप में बेचे जाते हैं जिनमें 10 मिली सांद्रित घोल होता है।
- इन कैप्सूलों का आवरण पानी में घुलनशील पीवीए फिल्म से बनाया गया है।
- उपयोग करने के लिए, 1 लीटर पानी में साधारण बूंद 1 कैप्सूल – आपका सफाई स माधान तैयार हो जाता है।

बेचे गए उत्पादः कीटाणुनाशक फर्श क्लीनर, कांच क्लीनर, रसोई बर्तन क्लीनर, शौचालय और बाथरूम क्लीनर, और एयर फ्रेशनर।

! देश में विभिन्न पहलों में से कुछ पहल ये हैं की दैनिक जीवन में उपयोग आने वाली वस्तुओं के विकल्प प्रस्तुत किये जा रहे हैं। हम प्लास्टिक की रोकथाम पर जागरूकता पैदा करने पर ध्यान केंद्रित करते हैं और किसी भी कंपनी का समर्थन नहीं करते।

SWECHHA

Implemented by giz Deutsche Gesellschaft für Internationale Zusammenarbeit (GIZ) GmbH

On behalf of: Federal Ministry for the Environment, Nature Conservation and Nuclear Safety of the Federal Republic of Germany

Ministry of Environment, Forest and Climate Change

Government of Uttar Pradesh